# राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

## (Political and Administrative System of Rajasthan)

## 29. राज्यपाल

❐ भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद उपबंध करता है कि 'प्रत्येक राज्य के लिए राज्यपाल होगा'?

[कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
[जेल प्रहरी परीक्षा 28-10-2018, Shift -II]

(1) अनु. 154(2) अनु. 155(3) अनु. 153(4) अनु. 164

**Ans.** (3)

*व्याख्या* - *अनुच्छेद 153-प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होगा। दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक राज्यपाल हो सकता है। यह व्यवस्था 7वें संविधान संशोधन, 1956 की धारा 6 द्वारा की गई।*

❐ किस संविधान संशोधन के तहत एक ही व्यक्ति को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल बनाया जा सकता है- [II Grade - 30.07.2023 (S- I)]

(1) 5वाँ संविधान संशोधन (2) 7वाँ संविधान संशोधन
(3) 10वाँ संविधान संशोधन(4) 25वाँ संविधान संशोधन

**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सातवें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 की किस धारा के अनुसार एक व्यक्ति को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है?

[III Grade (Sindhi) -01.3.2023]

(1) धारा-4 (2) धारा-3
(3) धारा-6 (4) धारा-2

**Ans.** (3)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान की कार्यपालिका का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है? [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) मुख्य सचिव (2) राष्ट्रपति(3) मुख्यमंत्री(4) राज्यपाल

**Ans.** (4)

*व्याख्या -राज्यपाल वस्तुतः राज्य की कार्यपालिका का संवैधानिक प्रधान होता है। अनुच्छेद 154 (1) के अनुसार राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी और वह इनका प्रयोग संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थों द्वारा करेगा।*

❐ राजस्थान में राज्य प्रशासन के विधितः प्रमुख है-

[द्वितीय श्रेणी अध्यापक -01.05.2017]

(1) राज्य के मुख्यमंत्री (2) सम्भागीय आयुक्त
(3) राज्य के महाधिवक्ता (4) राज्य के राज्यपाल

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भारतीय संविधान का निम्न में से कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल की कार्यपालक शक्तियों से संबंधित है-

[III Grade (Hindi) -26.2.2023] [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)]

(1) अनुच्छेद 142 (2) अनुच्छेद 154
(3) अनुच्छेद 171 (4) अनुच्छेद 158

**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत राज्यपाल की नियुक्ति निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.08.2018]
[जेल प्रहरी परीक्षा 20-10-2018, Shift -III]
[Police Constable Exam-2011]

(1) भारत के राष्ट्रपति (2) भारत के प्रधानमंत्री
(3) राज्य के मुख्यमंत्री (4) केन्द्रीय मंत्रि परिषद

**Ans.** (1)

*व्याख्या - अनुच्छेद 155 -राज्यपाल की नियुक्ति- राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।*

❐ निम्नांकित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है-

[Assistant Professor-22.9.2021]

(1) अनुच्छेद 153 - राज्यपाल का पद
(2) अनुच्छेद 156 - राज्यपाल की पदावधि
(3) अनुच्छेद 154 - राज्यपाल की कार्यपालिका शक्ति
(4) अनुच्छेद 155 - राज्यपाल को पद से हटाया जाना

**Ans.** (4)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में कहा गया है कि राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा?

[III Grade (Math-Science) -25.2.2023]

(1) 157 (2) 155 (3) 153 (4) 163

**Ans.** (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ राज्यपाल अपने पद पर कब तक रहता है?
[जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]

(1) पाँच वर्ष तक (2) संसद के प्रसादपर्यन्त
(3) राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त (4) सात वर्ष तक

Ans. (3)

*व्याख्या - अनुच्छेद 156- राज्यपाल की पदावधि-*

*• 156(1)-राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पदधारण करेगा।*

*• 156(2)-राज्यपाल, राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकता है।*

*• 156(3)-राज्यपाल, पदग्रहण की तारीख से 5 वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा।*

❒ भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल के कार्यकाल से संबंधित है-
[पटवार-23.10.2021 (Shift -II)]

(1) अनु. 156 (2) अनु. 163
(3) अनु. 171 (4) अनु. 158

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राज्यपाल अपना त्यागपत्र सम्बोधित करता है-
[पटवार -2011, द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा-2014]

(1) राष्ट्रपति को (2) प्रधानमंत्री को
(3) संघ के गृहमंत्री को
(4) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति को

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ नीचे दिए हुए दो वक्तव्यों पर विचार कीजिये-
कथन (A) - राज्य का राज्यपाल अपने पद पर राष्ट्रपति की इच्छापर्यंत ही रहता है।
कारण (R)-/ राज्यपाल की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा होती है।
ऊपर के दोनों वक्तव्यों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही है? [ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016]

(1) A और R दोनों सही हैं तथा A की सही व्याख्या R करता है।
(2) A सही है पर R गलत है
(3) A और R दोनों सही हैं पर A की सही व्याख्या R नहीं करता।
(4) A गलत है. पर R सही है।

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ किसी राज्य के राज्यपाल (गवर्नर) के संबंध में सही कथन का चयन करें[पटवार-24.10.2021 (S - II)]

1. उनको भारत के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं।
2. वे राष्ट्रपति की इच्छा अनुसार पद पर रहते हैं।
3. उनमें राज्य की कार्यकारी शक्तियाँ निहित है।
4. सामान्यतः वे पाँच वर्ष के लिए पद पर रहते हैं।

(1) 1, 2, 3 (2) 1, 2, 4(3) 2, 3, 4 (4) 1, 2 .

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है?
[स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)- 21.10.2022]

(1) अनुच्छेद 155 - राज्यपाल की नियुक्ति
(2) अनुच्छेद 156 - राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताएँ
(3) अनुच्छेद 158 - राज्यपाल के पद के लिए शर्तें
(4) अनुच्छेद 159 - राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राज्यपाल पद पर नियुक्त होने के लिये योग्यताएँ किस अनुच्छेद में दी गई हैं? [PTI Exam - 2015]

(1) अनु. 159 (2) अनु. 151
(3) अनु. 157 (4) अनु. 161

Ans. (3)

*व्याख्या - अनुच्छेद 157- राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताएँ - (i) वह भारत का नागरिक हो, तथा (ii) 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।*

❒ राज्यपाल पद हेतु न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित है-
[II Grade (Maths) -2011][जेल प्रहरी-21-10-2018, (II)]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (I)]

(1) 35 वर्ष (2) 25 वर्ष (3) 18 वर्ष (4) 50 वर्ष

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सही कथन है- [PTI Exam-30.09.2018]

1. अनुच्छेद 157 राज्यपाल के पद के लिये दो योग्यता निर्धारित करता है। 2. राज्यपाल राज्य व्यवस्थापिका का सदस्य होना चाहिए। 3. नियुक्ति से पूर्व राज्यपाल को 40 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेनी चाहिए।

(1) सिर्फ 1(2)2 और 3 (3)1 और 3 (4) 1, 2 और 3

Ans. (1)*व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ राज्यपाल के पद के लिए शर्तें हैं-[PSI - 14.09.2021]
1. वह भारत का नागरिक है।
2. वह संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमण्डल के किसी सदन का सदस्य नहीं होगा।
3. वह अन्य कोई लाभ का पद धारण नहीं करेगा।
4. वह पैंतीस वर्ष की आयु पूरी कर चुका है।
(1) केवल 1 और 4 (2) केवल 2 और 3
(3) केवल 1, 2 और 3 (4) 1, 2, 3 और 4
Ans. (2)

*व्याख्या – अनुच्छेद 158– राज्यपाल के पद के लिए शर्ते –• 158 (1)-राज्यपाल संसद अथवा किसी राज्य के विधानमण्डल के किसी सदन का सदस्य नहीं हो सकता। यदि ऐसा व्यक्ति जो संसद अथवा राज्य के विधानमण्डल का सदस्य हो तो उसके राज्यपाल नियुक्त होने की तारीख से संसद अथवा राज्य के विधानमण्डल से उसका पद रिक्त हो जायेगा। • 158(2)-राज्यपाल कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा।*

*• 158(3)-राज्यपाल को नि:शुल्क निवास स्थान मिलेगा तथा संसद विधि द्वारा निर्धारित वेतन, भत्ते, उपलब्धियाँ तथा विशेषाधिकार प्राप्त होंगे।*

*• 158(4)-राज्यपाल के वेतन, भत्ते आदि पदावधि के दौरान कम नहीं। वर्तमान में राज्यपाल का वेतन 3.50 लाख प्रति माह कर दिया गया है।*

❑ राज्यपाल की उपलब्धियाँ और भत्ते भारित होते हैं- [III Grade (Sindhi) -01.3.2023]
(1) भारत की संचित निधि पर
(2) राज्य की आकस्मिक निधि पर
(3) भारत की आकस्मिक निधि पर
(4) राज्य की संचित निधि पर
Ans. (4) *अनु. 202 (3)( क ) में इसका प्रावधान है।*

❑ राजस्थान के राज्यपाल से संबंधित निम्न कथनों पर विचार कीजिए- [पटवार-23.10.2021 (Shift -II)]
(1) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
(2) उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
(3) उसमें लोक सभा का सदस्य बनने की योग्यता होनी चाहिए। (4) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
कूट (1) 3 तथा 4 सही हैं। (2) 1, 2 और 4 सही हैं।
(3) 1, 2 और 3 सही हैं। (4) 2 तथा 3 सही हैं।
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ संविधान के किस अनुच्छेद में राज्यपाल की शपथ का प्रारूप दिया गया है? [CET : 05.02.2023 (S-I)]
(1) अनु. 158 (2) अनु. 159 (3) अनु. 154 (4) अनु. 155
Ans. (2)

*व्याख्या – राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान ( अनुच्छेद 159 ) – प्रत्येक राज्यपाल और प्रत्येक व्यक्ति जो राज्यपाल के कृत्यों का निर्वहन कर रहा है, अपना पदग्रहण करने से पहले उस राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति या उसकी अनुपस्थिति में उस न्यायालय के उपलब्ध ज्येष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा।*

❑ निम्न कथनों पर विचार कर सही कूटों का चयन कीजिए। [RAS Pre Exam-26.10.2013]
(A) राज्यपाल अपना पद ग्रहण करने से पूर्व शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा।
(B) शपथ या प्रतिज्ञान का प्रारूप भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में है।
(C) राज्यपाल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति या उसकी अनुपस्थिति में ज्येष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञान करेगा।
(D) शपथ या प्रतिज्ञान की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 में दी गई है।
कूट: (1) (A), (B) और (C) (2) (A), (C) और (D)
(3) (A), (B) और (D) (4) (A), (B), (C) और (D)
Ans. (2)

*व्याख्या – संविधान की तीसरी अनुसूची में संघ के मंत्री, संसद एवं राज्यविधान मण्डल के सदस्य, सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, राज्यमंत्री, संसद एवं राज्य विधान मण्डल के लिए निर्वाचन हेतु अभ्यर्थी के शपथ या प्रतिज्ञान के प्ररूप उल्लिखित हैं।*

❑ राज्यपाल की अनुपस्थिति में उसके दायित्वों का निर्वाहन कौन करता है?[ ग्राम सेवक परीक्षा, 18.12.2016 ] [CET : 05.02.2023 (S-II)]
(1) विधान सभा का अध्यक्ष (2) राज्य का मुख्यमंत्री
(3) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
Ans. (3)

*व्याख्या-राज्यपाल की अनुपस्थिति में उसके दायित्वों का निर्वाहन उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति करता है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ कौनसा अधिकार राज्यपाल को नहीं है? [II Grade (Sanskart) Exam. 2011]

(1) मुख्यमंत्री की नियुक्ति

(2) मुख्यमंत्री की सलाह से अन्य मंत्रियों की नियुक्तियाँ

(3) राज्य की कार्यपालिका की शक्ति सीमा में किसी भी सिद्धदोष व्यक्ति के दण्ड को क्षमा करना

(4) उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति

**Ans. (4)**

*व्याख्या - अनुच्छेद 161-राज्यपाल को किसी अपराध सिद्ध दोषी व्यक्ति के दण्ड को क्षमा, प्रविलंबन, विराम, परिहार या लघुकरण करने की शक्ति प्राप्त है।*

❑ **राज्यपाल अपने स्वविवेकी कृत्यों को छोड़कर अपने कृत्यों का निर्वहन.......की सहायता और सलाह से करेगा।** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019]

(1) मुख्यमंत्री (2) मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्

(3) मंत्रिमण्डल (4) मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमण्डल

**Ans. (2)**

*व्याख्या -अनुच्छेद 162 - राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार।*

*अनुच्छेद 163 -राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्-*

- *163(1)-राज्यपाल की सहायता और सलाह के लिए मंत्रिपरिषद् होगी जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।*
- *163(2)-राज्यपाल का अपने विवेकानुसार किया गया विनिश्चय अंतिम होगा।*
- *163(3)- क्या मंत्रियों ने राज्यपाल को कोई मंत्रणा दी और यदि दी तो क्या दी, इस प्रश्न की किसी न्यायालय में जाँच न की जाएगी।*

❑ **भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राज्यपाल राजस्थान के महाधिवक्ता की नियुक्ति करता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]

(1) अनु.165 (2) अनु.170 (3) अनु.160 (4) अनु.158

**Ans. (1)**

*व्याख्या -अनुच्छेद 165-राज्य का महाधिवक्ता (Advocate General)- (1) प्रत्येक राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को विधि संबंधी सलाह हेतु महाधिवक्ता नियुक्त करेगा। उस व्यक्ति में उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यता होनी चाहिए। दूसरे शब्दों में उसे भारत का नागरिक होना चाहिए, उसे दस वर्ष तक न्यायिक अधिकारी का या उच्च न्यायालय में 10 वर्षों तक वकालत करने का अनुभव होना चाहिए।*

*(2) महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह उस राज्य की सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दें और विधिक स्वरूप के ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करें जो राज्यपाल उसको समय-समय पर निर्देशित करें या सौंपे और उन कृत्यों का निर्वहन करे जो उसको इस संविधान अथवा तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि द्वारा या उसके अधीन प्रदान किये गये हों।*

*(3) महाधिवक्ता, राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त पद धारण करेगा और ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करेगा जो राज्यपाल अवधारित करे। इसका तात्पर्य है कि उसे राज्यपाल द्वारा कभी भी हटाया जा सकता है।*

❑ **राज्य सरकार को कानूनी मामलों में सलाह देने के लिए अधिकृत है-** [CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) महा अधिवक्ता (2) उच्च न्यायालय

(3) मुख्य न्यायाधीश (4) महान्यायवादी

**Ans. (1)**

❑ **कौनसा कथन गलत है-** [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

(2) महाधिवक्ता का पारिश्रमिक राज्यपाल द्वारा निर्धारित किया जाता है।

(3) महाधिवक्ता का यह कर्तव्य होगा कि वह राज्य सरकार को विधिक मामलों में सलाह दें।

(4) महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पदधारण करेगा।

**Ans. (1)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न कथनों में से कौनसा सही है?** [वनरक्षक-12.12.2022 (S-I)]

**1. महाधिवक्ता को राज्य की विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है।**

**2. उसे राज्य की विधानसभा में वोट देने का अधिकार है।**

(1) केवल कथन 1 सही है।

(2) केवल कथन 2 सही है।

(3) 1 व 2 दोनों कथन सही हैं।

(4) 1 व 2 दोनों कथन गलत हैं।

**Ans. (1)**

Scanned with OKEN Scanner

*व्याख्या* –अपने कार्य संबंधी कर्तव्यों के तहत उसे राज्य के किसी न्यायालय के समक्ष सुनवाई का अधिकार है। इसके अतिरिक्त उसे विधानमण्डल के दोनों सदनों या संबंधित समिति अथवा उस सभा में, जहाँ के लिए वह अधिकृत है, में बिना मताधिकार के बोलने व भाग लेने का अधिकार है। उसे वे सभी विशेषाधिकार एवं भत्ते मिलते हैं जो विधानमण्डल के किसी सदस्य को मिलते हैं।

❐ निम्न में से कथनों में कौनसा विकल्प सही है?

I. राजस्थान का महाधिवक्ता कार्यालय, राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के अनुसार, राजस्थान राज्य के गठन पर अस्तित्व में आया।

II. जी.सी. कासलीवाल राजस्थान राज्य के प्रथम महाधिवक्ता बने। [CET : 07.01.2023 (S-II)]

(1) केवल कथन I सही है
(2) केवल कथन II सही है
(3) I व II दोनों कथन सही हैं
(4) I व II दोनों कथन गलत हैं

**Ans.** (3)

*व्याख्या* – राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना के पश्चात् राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के द्वारा राजस्थान राज्य के निर्माण के साथ एडवोकेट जनरल राजस्थान का कार्यालय अस्तित्व में आया। नव सृजित राजस्थान के पहले एडवोकेट जनरल श्री जी.सी. कासलीवाल को मनोनीत किया गया। एडवोकेट जनरल का कार्यालय राजस्थान सरकार से संबंधित सभी प्रकार के मुकदमों की पैरवी करता है। ए.जी. कार्यालय की मुख्य पीठ जोधपुर में है तथा इसकी ब्रांच जयपुर में है।

❐ राज्यपाल द्वारा राज्य की विधान परिषद् में कितने सदस्य मनोनीत किये जाते हैं? [CET : 04.02.2023 (S-II)]

(1) सदस्यों की कुल संख्या का 1/3
(2) सदस्यों की कुल संख्या का 1/2
(3) सदस्यों की कुल संख्या का 1/4
(4) सदस्यों की कुल संख्या का 1/6

**Ans.** (4)

*व्याख्या* – अनुच्छेद 171 – राज्यपाल विधान परिषद् के 1/6 सदस्यों को नाम निर्देशित करता है जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला व समाज सेवा का विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो।

❐ निम्नलिखित में से भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद, राज्य की विधायिका के कार्यकाल से संबंधित है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) 172 (2) 151 (3) 124 (4) 113

**Ans.** (1)

*व्याख्या – भारतीय संविधान अनुच्छेद 172 : राज्यों के विधान-मंडलों की अवधि-(1) प्रत्येक राज्य की प्रत्येक विधान सभा, यदि पहले ही विघटित नहीं कर दी जाती है तो, अपने प्रथम अधिवेशन के लिए नियत तारीख से पाँच वर्ष तक बनी रहेगी।*

❐ राजस्थान के राज्यपाल में निम्न में से कौन-सी शक्ति निहित नहीं है? [द्वितीय श्रेणी अध्यापक-26.04.2017]

(1) विधानसभा को आहूत करने की
(2) विधानसभा को स्थगित करने की
(3) विधानसभा को विघटन करने की
(4) विधानसभा के सत्रावसान की

**Ans.** (2)

*व्याख्या : अनुच्छेद 174 – राज्य के विधानमण्डल के सत्र, सत्रावसान और विघटन–*

- *174(1) – राज्यपाल, समय-समय पर राज्य के विधान मण्डल का अधिवेशन आहूत करेगा, किन्तु उसके एक सत्र की अंतिम बैठक और आगामी सत्र की प्रथम बैठक के लिए नियत तारीख के मध्य 6 माह का अंतर नहीं होना चाहिए।*
- *174(2)-राज्यपाल, समय-समय पर- ( क ) सदन का सत्रावसान कर सकेगा। ( ख ) विधानसभा का विघटन कर सकेगा।*

❐ कौन-कौनसा कार्य राज्यपाल द्वारा किया जाता है? [स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)- 21.10.2022]

1. विधानसभा का सत्रावसान करना
2. विधानसभा भंग करना
3. विधानसभा की बैठक स्थगित करना
4. विधानसभा का अधिवेशन आहूत करना

(1) केवल 1, 2 और 3 (2) केवल 1, 3 और 4
(3) केवल 2, 3 और 4 (4) केवल 1, 2 और 4

**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान विधानसभा को विघटित करने का अधिकार किसे है? [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) राज्यपाल (2) मुख्यमंत्री
(3) विधानसभा अध्यक्ष (4) लोकायुक्त

**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ कौनसा अनुच्छेद राज्यपाल के विशेष अभिभाषण से सम्बन्धित है?[PTI - 30.9.2018][CET-11.2.2023 (S-II)] [III Grade (Urdu) -28.2.2023]

(1) अनु. 176(2) अनु.123 (3) अनु. 177 (4) अनु.173

Ans. (1)

*व्याख्या - अनुच्छेद 175 - सदन में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल का अधिकार।*

*अनुच्छेद 176 - राज्य का विशेष अधिवेशन-राज्यपाल, राज्य विधानमण्डलों में एक साथ समवेत अभिभाषण कर सकता है।*

❑ निम्न में से कौनसा ( अनुच्छेद-प्रावधान ) युग्म गलत है- [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) अनुच्छेद 161 - राज्यपाल की क्षमादान की शक्ति

(2) अनुच्छेद 167 - मुख्यमंत्री के कर्तव्य

(3) अनुच्छेद 213 - अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति

(4) अनुच्छेद 165 - राज्यपाल का विशेष अभिभाषण

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ संविधान के कौनसे अनुच्छेद के तहत राजस्थान का महाधिवक्ता राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही में भाग ले सकता है? [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 178 (2) 175 (3) 176 (4) 177

Ans. (4)

*व्याख्या - अनुच्छेद 177 -सदनों का सम्मान करते हुए मंत्रियों और महाधिवक्ता के अधिकार - किसी राज्य के लिए प्रत्येक मंत्री और महाधिवक्ता को बोलने का अधिकार होगा और अन्यथा किसी राज्य की विधान परिषद, दोनों सदनों के मामले में, राज्य की विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होगा। और बोलने के लिए और अन्यथा की कार्यवाही में भाग लेने के लिए, विधान मण्डल की किसी भी समिति जिसमें वह एक सदस्य नामित किया जा सकता है, लेकिन इस लेख के आधार पर, वोट के हकदार नहीं होंगे।*

❑ राज्य के राज्यपालों की केन्द्र द्वारा नियुक्ति के प्रावधान को लिया गया है- [VDO-27.12.2021 (S-II)]

(1) कनाडा (2) अमेरिका(3) स्विट्जरलैण्ड (4) आयरलैण्ड

Ans. (1)

❑ राजस्थान में किस वर्ष राज्यपाल रिलीफ फण्ड की स्थापना की गयी? [II Grade GK - 24.12.2022]

(1) 1974 (2) 1975 (3) 1973 (4) 1972

Ans. (3)

*व्याख्या -समस्त वैधानिक/प्रशासनिक प्रयोजनार्थ गवर्नर रिलीफ फण्ड का गठन 14 मार्च, 1973 को किया गया। इस फण्ड के उद्देश्य - अकाल एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों में सहायता, प्राकृतिक आपदाओं यथा अग्निकाण्ड, बाढ़ एवं दुर्घटना में सहायता, प्रदेश में महामारी, अतिवृष्टि, टिड्डी, ओलावृष्टि तथा अन्य आपदा क्षेत्रों में फसल नुकसान, औषधि एवं उपकरणों हेतु सहायता, माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अन्य जो भी कारण उचित समझे, जहाँ तात्कालिक आवश्यकता हो।*

❑ कौनसा विकल्प सही हैं- [VDO-27.12.2021 (S-I)]

1. राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। ( अनुच्छेद 200 )

2. राष्ट्रपति, राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को सदन को लौटा दे। ( अनुच्छेद-201 )

(1) कथन 1 सही है। (2) कथन 2 सही है।

(3) 1 एवं 2 दोनों सही है। (4) 1 एवं 2 दोनों गलत है।

Ans. (3)

*व्याख्या - • अनुच्छेद 200 -विधेयकों पर अनुमति-जब कोई विधेयक राज्य की विधान सभा द्वारा या विधान परिषद वाले राज्य में विधान-मंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है तब वह राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और राज्यपाल घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है अथवा* ***वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है,***

*• अनुच्छेद 201 - विचार के लिए आरक्षित विधेयक- जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख लिया जाता है तब राष्ट्रपति घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है , परंतु जहाँ विधेयक धन विधेयक नहीं है वहां राष्ट्रपति राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को, यथास्थिति, राज्य के विधान-मंडल के सदन या सदनों को ऐसे संदेश के साथ, जो अनुच्छेद 200 के पहले परंतुक में वर्णित है, लौटा दे और जब कोई विधेयक इस प्रकार लौटा दिया जाता है तब ऐसा संदेश मिलने की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर सदन या सदनों द्वारा उस पर तदनुसार पुनर्विचार किया जाएगा और यदि वह सदन या सदनों द्वारा संशोधन सहित या उसके बिना फिर से पारित कर दिया जाता है तो उसे राष्ट्रपति के समक्ष उसके विचार के लिए फिर से प्रस्तुत किया जाएगा।*

Scanned with OKEN Scanner

संविधान के किस अनुच्छेद के तहत् राज्यपाल विधान मण्डल द्वारा पारित किसी विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति हेतु सुरक्षित रख सकता है?
[CET : 04.02.2023 (S-II)] [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) 257 (2) 213 (3) 200 (4) 256

**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

**किस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल द्वारा आरक्षित रखे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति निर्णय लेता है?**
[II Grade (S-II) -29.1.2023]

(1)अनु. 200(2) अनु. 201(3)अनु. 203(4)अनु. 202

**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

**संविधान के अनुच्छेदों में से किसमें यह उल्लेखित किया गया है कि, "किसी राज्य के राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसकी गिरफ्तारी या कारावास के लिए किसी न्यायालय से कोई आदेशिका नहीं निकाली जाएगी।"?** [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) 361-अ (2) 361(1) (3) 361(2) (4) 361(3)

**Ans.** (4)

*व्याख्या -अनु. 361 : राष्ट्रपति, राज्यपालों और राजप्रमुखों का संरक्षण - 361 ( 2 ) राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के विरुद्ध उसकी पदावधि के दौरान किसी न्यायालय में किसी भी प्रकार की दांडिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जाएगी या चालू नहीं रखी जाएगी।*

*अनु. 361 ( 3 ) राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसकी गिरफ्तारी या कारावास के लिए किसी न्यायालय से कोई आदेशिका निकाली नहीं जाएगी।*

**विधान मण्डल द्वारा पारित विधेयक को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा पुन:विचार के लिए राज्यपाल द्वारा आरक्षित रखने की शक्ति के बारे में सही कथनों का चयन कीजिए :** [RAS Pre -19.11.2013]

(A) यदि यह राज्य नीति निर्देशक तत्त्वों के परोक्ष रूप में विरुद्ध हो। (B) यदि राज्य विधानमण्डल द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रीय महत्त्व का हो। (C) यदि यह उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता हो। (D) यदि विधेयक भारत के संविधान के अनुच्छेद 31(3) के तहत सम्पत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से सम्बन्धित हो।

(1) (A) एवं (B) (2) (C) एवं (D)
(3) (A), (B) एवं (C) (4) (A), (B), (C) एवं (D)

**Ans.** (4)

*व्याख्या - विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के संबंध में- राज्य विधानमण्डल द्वारा प्रस्तुत किसी विधेयक को अनु. 200 के अंतर्गत राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित रखने की शक्ति राज्यपाल के स्वविवेक के अधीन है। विधेयक निम्न स्थितियों में राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखा जा सकता है- (i) विधेयक असंवैधानिक प्रतीत हो।*
*(ii) देश में व्यापक हित से संबंधित हो।*
*(iii) परोक्ष रूप से नीति निर्देशक तत्त्वों के विरुद्ध हो।*
*(iv) राष्ट्रीय महत्त्व का हो।*
*(v) उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता हो।*
*(vi) विधेयक अनु. 31(3) के तहत सम्पत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित हो।*

*विधेयक विचारार्थ रोकना निश्चित रूप से राज्यपाल का विवेकाधिकार है। संविधान इस पर स्पष्ट नहीं है कि विधेयक को कब तक रोका जा सकता है तथा कब तक इसे वापस आ जाना चाहिए?*

**यदि राजस्थान विधानसभा कोई ऐसा विधेयक पारित करती है जो उच्च न्यायालय की संवैधानिक स्थिति को खतरा पहुँचाता है, तो राजस्थान का राज्यपाल-**
[II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-I)]

(1) विधेयक पर हस्ताक्षर से पूर्व उच्च न्यायालय की सलाह लेगा तथा उसे सलाह के अनुसार कार्य करेगा।
(2) विधेयक पर अनुमति नहीं देगा, किन्तु उसे राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखेगा।
(3) विधेयक को राजस्थान के मुख्यमंत्री के पास उसके विचारण के लिए भेजेगा।
(4) विधेयक को अनुमति देगा।

**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

**विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करते समय राज्यपाल किसके प्रतिनिधि के तौर पर कार्य करता है?**
[CET -11.2.2023 (S-I)]

(1) राज्य विधानमंडल (2) संघीय सरकार
(3) राज्य की जनता (4) मंत्रिपरिषद्

**Ans.** (2)

*व्याख्या -विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग राज्यपाल अपने विवेक या व्यक्तिगत निर्णय से करता हैं उसे इस संबंध में मंत्रिपरिषद से परामर्श लेने की आवश्यकता नहीं है। स्वविवेकीय शक्तियों के प्रयोग के अवसर उपस्थित होने पर राज्यपाल वस्तुत: संघ सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ **राज्यपाल द्वारा अध्यादेश जारी करने से संबंधित शक्तियों का वर्णन संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है-** [Asst. Jailer -15.03.2016] [PTI - 30.09.2018]
(1) 213 (2) 200 (3) 210 (4) 215
**Ans.** (1)

*व्याख्या -अनुच्छेद 213 - राज्यपाल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति - विधानमण्डल के विरामकाल में राज्यपाल अध्यादेश जारी कर सकता है विधानमण्डल के अधिवेशन में आने पर 6 सप्ताह तक ये अध्यादेश जारी रह सकते है। विधानमण्डल इन अध्यादेशों को स्वीकार कर कानून का रूप दे सकती है या उन्हें अस्वीकार कर सकती है। इसे किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है।*

❑ **अनुच्छेद 213 के तहत राज्यपाल को निम्न में से कौनसी शक्ति प्राप्त है ?** [II Grade (S-II) -29.1.2023]
(1) अध्यादेश जारी करने की शक्ति (2) क्षमादान की शक्ति
(3) निषेधाधिकार शक्ति (4) मंत्रिपरिषद निर्माण की शक्ति
**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश को राज्य विधान मण्डल का सत्र प्रारम्भ होने के कितने समय तक विधानमण्डल में रखा जाना अनिवार्य है अन्यथा वह निष्प्रभावी हो जायेगा?** [PTI - 2015]
(1) 6 सप्ताह (2) 1 महीना (3) 4 सप्ताह (4) 2 महीने
**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश की मंजूरी आवश्यक है-** [II Grade - 30.07.2023 (S- II)] [IInd Grade Spc. Edu. 2017]
(1) राष्ट्रपति द्वारा (2) राज्य विधानमण्डल द्वारा
(3) राज्य परिषद के मंत्रियों द्वारा (4) इनमें से कोई नहीं
**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **क्या राज्यपाल राज्य के विधानमण्डल के सत्र में रहने के दौरान अध्यादेश जारी कर सकता है?** [CET : 05.02.2023 (S-II)]
(1) नहीं (2) राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से
(3) मंत्रिपरिषद् की सलाह से (4) हाँ
**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **सुमेलित नहीं है?** [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(I)]
(1) कुछ मामलों में दण्डादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राज्यपाल की शक्ति - अनुच्छेद 161
(2) राज्यपाल राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति करें- अनुच्छेद 165
(3) राज्यपाल राज्य-विधानमण्डल के सदन को आहूत करेंगे- अनुच्छेद 174
(4) विधानमण्डल के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति - अनुच्छेद 123
**Ans.** (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **संविधान के किस अनुच्छेद में राज्यपाल को विधान सभा में ऐंग्लो-इण्डियन समुदाय के सदस्य को नियुक्त करने का अधिकार है?** [PTI - 30.09.2018]
(1) अनु. 223 (2) अनु. 323 (3) अनु.333 (4) अनु. 303
**Ans.** (3)

*व्याख्या - अनुच्छेद 333 - यदि किसी राज्य के राज्यपाल की यह राय है कि उस राज्य की विधानसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व आवश्यक है और उसमें उसका प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है तो वह विधानसभा में उस समुदाय का एक सदस्य नाम निर्देशित कर सकेगा। वर्तमान में यह प्रावधान समाप्त कर दिया गया है।*

❑ **अनुच्छेद 356 के तहत राज्य में आपातकाल लागू होने पर राज्य का शासन किसके नियंत्रण में होता है?** [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
(1) मंत्री परिषद् (2) मुख्य सचिव (3) राज्यपाल (4) मुख्यमंत्री
**Ans.** (3)

*व्याख्या - राज्यपाल को यदि लगता है कि राज्य का प्रशासन संविधान के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता तो, वह राष्ट्रपति को राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता के सम्बन्ध में रिपोर्ट भेजता है। केन्द्र सरकार द्वारा राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर अनु. 356 के अन्तर्गत राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है। राष्ट्रपति शासन लागू होने की स्थिति में राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में राज्य के शासन का संचालन करता है।*

❑ **कितने न्यूनतम सदस्यों के पक्ष में होने पर ही राजस्थान विधानसभा में मंत्री परिषद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है-** [मूल्यांकन अ.-23.8.2020]
(1) 20 (2) 30 (3) 40 (4) 50
**Ans.** (3)

*व्याख्या - सदस्यों की समग्र संख्या का कम से कम 5वाँ भाग पक्ष में होने पर ही राजस्थान विधानसभा में मंत्री परिषद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है*

→ 40 सदस्य
→ 5 वां भाग

राज्य महाधिवक्ता व राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?
[II Grade (Urdu) Exam. 2011]
[PSI (मोटर वाहन) - 12.02.2022] [जेल प्रहरी परीक्षा - 2017]
(1) मुख्यमंत्री (2) राज्यपाल
(3) मुख्य न्यायाधीश (4) विधानसभाध्यक्ष
Ans. (2)

*व्याख्या* - राज्यपाल राज्य महाधिवक्ता, राज्य लोक ... आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों, राज्य निर्वाचन ...युक्त एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति करता ...था इसके अलावा राज्य-पोषित विश्वविद्यालय के ...पति, अन्य आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है।

निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा नहीं की जाती है?[जेल प्रहरी परीक्षा 21-10-2018, Shift -I]
(1) राज्य मंत्रीपरिषद् (2) राज्य महाधिवक्ता
(3) राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य
(4) राज्य पुलिस महानिदेशक
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

राजस्थान के निम्नलिखित में से कौनसा संवैधानिक पदाधिकारी राज्यपाल द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन उन्हें राज्यपाल द्वारा उनके पद से नहीं हटाया जा सकता है- [JEN (Electric) Diploma- 18.05.2022]
[PTI (Grade-III)-25.9.2022]
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
1. महाधिवक्ता 2. राज्य निर्वाचन आयुक्त
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य
(1)1 और 2(2) 2 और 3(3) 1 और 3(4) 1, 2 और 3
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

कौन राजस्थान के राज्यपाल के द्वारा नियुक्त नहीं किये जाते हैं?[II Grade (Sanskrit Dept.)-12.2.2023(S-II)]
(1) राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष
(2) राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
(3) राजस्थान के कैबिनेट मंत्री
(4) राज्य-पोषित विश्वविद्यालय के कुलपति
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

गवर्नर द्वारा कौन चुना जाता है-
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)]
(1) राज्य अटॉर्नी जनरल(2) लोक सेवा आयोग के सदस्य
(3) राज्य चुनाव आयुक्त(4) उपर्युक्त सभी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

एम.एम. पुंछी आयोग ने किसके द्वारा राज्यपाल पर महाभियोग के प्रावधान की सिफारिश की है?
[II Grade SST (Spe. Edu.) -17.02.2019]
(1) राज्य-विधानमंडल (2) संसद
(3) राज्यसभा (4) राज्य-विधानमंडल एवं राज्यसभा
Ans. (1)

*व्याख्या : एम.एम. पुंछी आयोग ने राज्यपालों के लिए पाँच वर्ष के एक निश्चित कार्यकाल की तथा राज्य-विधानमण्डल द्वारा राज्यपाल पर महाभियोग लगाने के प्रावधान की सिफारिश की है।*

निम्न में से कौनसा कथन राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में असत्य है- [CET : 05.02.2023 (S-I)]
(1) राज्यपाल की स्वविवेकीय शक्तियों के लिए लिये निर्णयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।
(2) राज्यपाल को मृत्युदण्ड के दण्डादेश के विरुद्ध क्षमादान की शक्ति प्राप्त नहीं है।
(3) राज्यपाल को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिये राज्यपाल सचिवालय कार्यरत है।
(4) राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।
Ans. (4)

*व्याख्या - राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।*

नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अब राजस्थान के राज्यपाल को निम्नलिखित अभिवादन से संबोधित किया जाता है- [द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा-26.04.2017]
(1) "Honourable" अंग्रेजी में तथा ''माननीय राज्यपाल'' अथवा राज्यपाल महोदय, हिन्दी में
(2) 'The "most honourable' अंग्रेजी में तथा 'अति सम्माननीय' हिन्दी में
(3) 'His/her Excellency' अंग्रेजी में तथा 'महामहिम' हिन्दी में
(4) 'His/Her Royal Highness' अंग्रेजी में तथा 'महाराजाधिराज/महारानीधिराज' हिन्दी में
Ans. (1)

Scanned with OKEN Scanner

*व्याख्या : राजस्थान और उत्तरप्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने राज्य में प्रोटोकॉल की वर्तमान व्यवस्था में संशोधन किया है। राज्यपाल सचिवालय से 26 अगस्त, 2014 को जारी आदेशों के अनुसार राज्य समारोहों, महानुभावों से होने वाले परस्पर वार्तालाप और शासकीय टिप्पणियों में 'हिज एक्सीलेंसी' यानी 'महामहिम' शब्द का प्रयोग नहीं किया जाएगा। ऐसे अवसरों पर हिन्दी में माननीय राज्यपाल' अथवा 'राज्यपाल महोदय' का प्रयोग होगा। अंग्रेजी में 'ऑनरेबल गवर्नर' (Honourable Governor) संबोधित किया जाएगा। साथ ही राज्यपाल के नाम से पूर्व 'श्री, श्रीमती या सुश्री' का प्रयोग किया जाएगा।*

❒ **कौन-सा पद राजस्थान के राज्यपाल द्वारा सुशोभित नहीं होता है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) राजस्थान राज्य के संवैधानिक प्रमुख
(2) राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति
(3) अध्यक्ष, रेडक्रॉस सोसाइटी, राजस्थान
(4) अध्यक्ष, अरावली प्रबंधन बोर्ड

**Ans.** (4)

*व्याख्या-राजस्थान के राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विविध प्रावधानों व कृत्यों के अनुसार निम्नलिखित अतिरिक्त जिम्मेदारी रखते हैं-• अध्यक्ष, राज्य सैनिक बोर्ड, राजस्थान*
*• राजस्थान के पूर्व सैनिकों के हितलाभों के लिए समेकित निधि की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष।*
*• अध्यक्ष, पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर*
*• संरक्षक, स्काउट और गाइड, राजस्थान*
*• अध्यक्ष, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान स्टेट ब्रांच, • राजस्थान के विश्वविद्यालयों का कुलपति।*

❒ **कौनसा कथन सही है-**[द्वितीय श्रेणी अध्यापक-01.05.2017]

1. राज्यपाल राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। 2. राज्यपाल राज्य के किसी भी लाभ के पद को धारण कर सकते हैं। 3. राज्यपाल इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान राज्य शाखा के अध्यक्ष हैं। 4. राज्यपाल को संविधान के अन्तर्गत कोई स्व-विवेकीय शक्ति प्राप्त नहीं हैं।

(1) 1, 2, 3, 4 (2) 2, 3, 4 (3) केवल 3 (4) 2 और 3

**Ans.** (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में पूर्व-सैन्यकर्मियों के हितलाभों के लिए समेकित निधि की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कौन है?** [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) राजस्थान के राज्यपाल (2) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(3) राजस्थान के गृह मंत्री (4) राजस्थान के गृह सचिव

**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के सभापति कौन है?** [II Grade GK -31.10.2018] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (I)]

(1) राजस्थान के राज्यपाल
(2) राजस्थान के मुख्यमंत्री
(3) राजस्थान पर्यटन मंत्री
(4) उदयपुर के संभागीय आयुक्त

**Ans.** (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सही उत्तर चुनें:** [CET : 07.01.2023 (S-1)] [RAS-28.8.2016]

**राजस्थान के राज्यपाल कुलाधिपति होते हैं-**

(1) सभी राज्य विश्वविद्यालयों, राज्य में स्थित केन्द्रीय विश्वविद्यालयों तथा सभी निजी विश्वविद्यालयों के
(2) सभी राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के
(3) सभी राज्य विश्वविद्यालयों तथा राज्य में कार्यरत सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के
(4) सभी राज्य विश्वविद्यालयों के

**Ans.** (4)

*व्याख्या : राज्यपाल, राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है, वह राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करता है।*

❒ **राजस्थान में विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों की नियुक्ति की जाती है?** [पटवार परीक्षा - 2011]

(1) राज्यपाल द्वारा (2) मुख्यमंत्री द्वारा
(3) विधानसभा अध्यक्ष द्वारा (4) प्रधानमंत्री द्वारा

**Ans. (1)** *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान का राज्यपाल निम्नांकित में से किस विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नहीं है?** [II Grade (GK) 29.1.2023]

(1) जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
(2) राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अजमेर
(3) हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर
(4) राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा

**Ans.** (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

राजस्थान विधानसभा की निम्नलिखित में से किस समिति में सदस्यों की संख्या पूर्व निर्धारित नहीं है-
[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]
(1) याचिका समिति
(2) विशेषाधिकार समिति
(3) सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति
(4) सामान्य प्रयोजनों सम्बन्धी समिति
**Ans.** (4)

*व्याख्या – याचिका समिति, विशेषाधिकार समिति एवं रकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति में 15 से अधिक सदस्य ीं होते, जबकि सामान्य प्रयोजनों सम्बन्धी समिति में ऐसा यत नहीं है।*

निम्नांकित कथनों में से कौनसा कथन राजस्थान के राज्यपाल की शक्तियों के बारे में सही है?
[स्कूल व्याख्याता (राजनीति विज्ञान)-17.10.2022]
(1) यह विधानसभा भंग नहीं कर सकता।
(2) यह अध्यादेश जारी नहीं कर सकता।
(3) यह विधानसभा में सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता।
(4) यह राज्य लोक सेवा आयोग को बर्खास्त नहीं कर सकता।
**Ans.** (4)

*व्याख्या – राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सी अन्य सदस्य को केवल कदाचार के आधार पर ट्रपति के आदेश द्वारा अनु. 145 में विहित प्रक्रिया के त उच्चतम न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध होने पर ही हटाया सकता है। जाँच के दौरान राज्यपाल आरोपी अध्यक्ष या दस्य को निलम्बित कर सकता है।*

भारतीय राज्य के राज्यपाल के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है?
[II Grade - 30.07.2023 (S- I)]
(1) उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(2) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
(3) वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।
(4) यदि संबंधित राज्य की विधानमंडल उसे हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करती है तो उसे पहले भी हटाया जा सकता है।
**Ans.** (4)

*व्याख्या : राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पदधारण करता है। उसकी बर्खास्तगी के कारण संविधान में उल्लिखित नहीं है।*

❒ राज्यपाल की शक्तियों के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा सही नहीं है? [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -17.2.2019]
(1) राज्यपाल धन-विधेयक को पुनर्विचार हेतु राज्य विधानमण्डल को लौटा सकता है।
(2) राज्यपाल किसी विधेयक को भारत के राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित कर सकते हैं।
(3) राज्य विधानमण्डल के विश्रांतिकाल में राज्यपाल द्वारा अध्यादेश प्रख्यापित किया जा सकता है।
(4) राज्यपाल के पास क्षमादान की शक्ति है।
**Ans.** (1)

*व्याख्या – राज्यपाल धन-विधेयक को पुनर्विचार हेतु राज्य विधानमण्डल को लौटा नहीं सकता है।*

❒ राजस्थान में अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्ति के बारे में निम्न में से कौनसा/से कथन सही है/हैं-
1. राज्यपाल को अनुसूचियाँ के प्रशासन के संबंध में राष्ट्रपति को वार्षिक रूप से या जब भी राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है, एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है।
2. राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के संबंध में कोई नियम नहीं बनाते है।
3. राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष की नियुक्ति के तरीकों के लिए नियम बनाता है।
4. राज्य का राज्यपाल विनियमन बना सकता है जो ऐसे क्षेत्रों में एस.टी. के सदस्यों द्वारा या उनके बीच भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित और प्रतिबंधित कर सकता है। [स्कूल व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा)-21.10.2022]
(1) केवल 1 सही है। (2) 1, 2 और 4 सही है।
(3) 1, 3 और 4 सही हैं। (4) 2 और 4 सही हैं।
**Ans.** (3)

*व्याख्या – भारत के संविधान की 5वीं अनुसूची के अनुच्छेद 244(1) के तहत अनुसूचित क्षेत्रों वाले प्रत्येक राज्य में जनजाति सलाहकार परिषद की स्थापना की जाएगी। राज्यपाल अनुसूचित क्षेत्रों वाले राज्य के लिए किसी भी नियम को राष्ट्रपति की सहमति से निरस्त या संशोधित कर सकते हैं।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ **किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुन:स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया, अब-** [RAS-05.08.2018]

(1) जहाँ राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।

(2) राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अतिक्रमण के आधार पर अनुमति देने से इंकार कर सकता है।

(3) राज्यपाल ऐसे विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के लिये भेज देगा।

(4) यदि राज्यपाल या राष्ट्रपति अनुमति दे तो न्यायालय संवैधानिक उपबन्धों के आधार पर उसे असंवैधानिक घोषित कर देगा।

**Ans.** (1)

❑ **राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-** [पटवार-24.10.2021 (Shift -I)] [JEN (Electric) Degree - 18.05.2022]

**1.** एस. के. सिंह **2.** श्रीमती प्रभा राव
**3.** निर्मल चंद जैन **4.** दरबारा सिंह

(1) केवल 2 (2) 2, 4 (3) 1, 2, 3, 4 (4) केवल 1

**Ans.** (3)

> **व्याख्या** -*प्रभा राव चौथी ऐसी राज्यपाल है जिनका राजस्थान के राज्यपाल पद पर रहते हुए निधन (26 अप्रैल 2010) हुआ है। इससे पूर्व दरबारासिंह का 23 मई, 1998, निर्मलचंद जैन का 22 सितम्बर, 2003 और एस. के. सिंह का 1 दिसम्बर, 2009 को निधन हो गया था।*

❑ **राजस्थान के किस राज्यपाल/ राज्यपालों ने अपना कार्यकाल पूर्ण होने से पूर्व ही राज्यपाल पद से त्यागपत्र दे दिया-**[प्रवक्ता(तक. शिक्षा विभाग) -12.3.2021] [Jr. Accountant 4.10.16] [मूल्यांकन अधिकारी-23.8.2020]

**1.** दरबारासिंह **2.** मदन लाल खुराना
**3.** प्रतिभा पाटिल

(1) 1 और 2 (2) 2 और 3 (3) 1 और 3 (4) केवल 2

**Ans.** (2)

> **व्याख्या** - • मदनलाल खुराना (त्यागपत्र) : *14-01-2004 से 01-11-2004,* •प्रतिभा पाटिल (राज्य की पहली महिला राज्यपाल, त्यागपत्र): *8-11-2004 से 23-06-2007*

❑ **निम्न में से कौन कभी भी राजस्थान के कार्यकारी राज्यपाल नहीं रहे?**[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018 (II)]

(1) जगत नारायण (2) वेदपाल त्यागी
(3) के.डी. शर्मा (4) अंशुमान सिंह

**Ans.** (4)

> **व्याख्या** - • *जगत नारायण (कार्यवाहक) : 20-11-1970 से 23-12-1970,* • *वेदपाल त्यागी (कार्यवाहक) : 15-02-1977 से 11-05-1977,* •*के. डी. शर्मा (कार्यवाहक): 8-8-1981 से 5-3-1982,* • *श्री अंशुमान सिंह : 16-01-1999 से 13-05-2003*

❑ **निम्न में से किसने राजस्थान में कार्यवाहक राज्यपाल या अतिरिक्त प्रभार वाले राज्यपाल के रूप में कार्य नहीं किया है-**[प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग)-12.3.2021]

(1) श्री मिलापचन्द जैन (2) श्री धनिक लाल मंडल
(3) न्यायाधीश डी. पी. गुप्ता (4) श्री सुखदेव प्रसाद

**Ans.** (4)

> **व्याख्या** -•*डी. पी. गुप्ता (कार्यवाहक):4.11.1985 से 19.11.1985,* • *सुखदेव प्रसाद : 20.2.1989 से 2.2.1990,* • *मिलापचन्द जैन (कार्यवाहक) : 3.2.1990 से 13.2.1990,* • *स्वरूप सिंह (अति.प्रभार) : 26.08.1991 से 04.02.1992* •*धनिकलाल मंडल (अति.प्रभार):13.5.1993 से 29.06.1993*

❑ **निम्नांकित में से किसे सबसे पहले राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया-** [HM-11.10.2021][JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]

(1) टी.वी. राजेश्वर (2) कैलाशपति मिश्र
(3) धनिकलाल मण्डल (4) स्वरूप सिंह

**Ans.** (4) **व्याख्या** - *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में जब पहली बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया, राज्य के राज्यपाल थे-**[द्वितीय श्रेणीशिक्षक -2014] [CET -11.2.2023 (S-II)]

(1)हुकुमसिंह(2)जोगिंदरसिंह(3)संपूर्णानंद(4)रघुकुल तिलक

**Ans.** (3)

> **व्याख्या**- *चुनावों में दुविधापूर्ण स्थिति (अस्पष्ट बहुमत) के परिणामस्वरूप सर्वप्रथम राष्ट्रपति शासन (13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967) लागू। डॉ. सम्पूर्णानन्द के कार्यकाल 16-04-1962 से 15-04-1967 के दौरान 13 मार्च, 1967 राजस्थान में प्रथम बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया जो सरदार हुकुमसिंह के कार्यकाल 16-04-1967 से 19-11-1970 में 26 अप्रैल, 1967 तक रहा।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ निम्नलिखित में से किस वर्ष में राजस्थान में राष्ट्रपति शासन था- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-08.11.2020 (II)]
(1) 2008 (2) 1971 (3) 1967 (4) 1985
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में पहली बार राष्ट्रपति शासन ( अनुच्छेद 356 के तहत ) कब लागू किया गया?[जेलप्रहरी-2017]
(1) 15 दिसम्बर, 1992 (2) 30 अप्रैल, 1977
(3) 13 मार्च, 1967 (4) 17 फरवरी, 1980
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्नांकित वाक्यों में सही है-[Asst. Professor- 7.1.2024]
1. राजस्थान में पहला राष्ट्रपति शासन 13.03.1967 से 26.04.1967 तक लागू रहा।
2. यह राष्ट्रपति शासन संविधान के अनुच्छेद 352 के अन्तर्गत राजस्थान में राजनीतिक अस्थिरता के कारण लगाया गया।
3. मार्च, 1967 में राज्यपाल हुकुमसिंह ने राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए राष्ट्रपति को सलाह भेजी।
(1) केवल 2 सही है। (2) केवल 1 सही है।
(3) केवल 3 सही है। (4) केवल 1 और 2 सही है।
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में लागू कौन-सा राष्ट्रपति शासन का कार्यकाल सबसे लंबा रहा-[कॉन्स्टेबल-06.11.2020 (II)]
(1) दूसरा (2) तीसरा (3) पहला (4) चौथा
Ans. (4)

*व्याख्या - चौथे राष्ट्रपति शासन का कार्यकाल सर्वाधिक लम्बा ( 15 दिसम्बर, 1992- 3 दिसम्बर, 1993 )। तत्कालीन राज्यपाल-एम.चेन्नारेड्डी ( 05.02.1992 से 30.05.1993 ), बलिराम भगत।*

❑ राजस्थान में अंतिम राष्ट्रपति शासन की अवधि क्या थी- [VDO-28.12.2021 (S-I)]
(1) 15 दिसम्बर, 1992 से 03 दिसम्बर, 1993
(2) 1 दिसम्बर, 1998 से 04 जनवरी, 1999
(3) 30 अप्रैल, 1977 से 21 जून, 1977
(4) 13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में आखिरी बार जब राष्ट्रपति शासन लगाया गया, यहाँ के राज्यपाल कौन थे? [कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) वसंत राव पाटिल (2) एम. चेन्ना रेड्डी
(3) रघुकुल तिलक (4) देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के निम्न राज्यपालों में से कौन लोकसभा -अध्यक्ष भी रहे हैं?[कॉलेज व्याख्याता (सारंगी)30.05.2019]
(1) बलिराम भगत (2) कल्याण सिंह
(3) अंशुमान सिंह (4) प्रतिभा पाटिल
Ans. (1)

*व्याख्या - 30.06.1993 से 30.04.1998 तक राजस्थान के राज्यपाल रहे श्री बलिराम भगत लोकसभा अध्यक्ष भी रहे।*

❑ राजस्थान राज्यपाल कल्याण सिंह की नियुक्ति के पूर्व कौन कार्यवाहक राज्यपाल थे [RAS-28.08.2016]
(1) मार्गरेट अल्वा (2) राम नायक
(3) रामनरेश यादव (4) ओ.पी. कोहली
Ans. (2)

*व्याख्या : कल्याण सिंह की नियुक्ति के पूर्व उत्तरप्रदेश के राज्यपाल रामनाइक को राजस्थान का अतिरिक्त प्रभार ( 08-08-2014 से 03-09-2014 ) दिया गया।*

❑ राजस्थान के कौनसे राज्यपाल डूँगर कॉलेज, बीकानेर के प्राचार्य रहे? [College Lecturer (Pol. Sci.)-2020]
(1) मदन लाल खुराना (2) सुखदेव प्रसाद
(3) बसतराव पाटिल (4) डॉ. सम्पूर्णानंद
Ans. (4)

*व्याख्या -डॉ. सम्पूर्णानंद 1918 से 1921 तक डूँगर कॉलेज, बीकानेर के प्राचार्य रहे।*

❑ राजस्थान के निम्नांकित राज्यपालों में से कौन हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष रह चुके हैं- [Assistant Professor-22.9.2021]
(1) ओ.पी. मेहरा (2) रघुकुल तिलक
(3) सुखदेव प्रसाद (4) एम. चेन्नारेड्डी
Ans. (1)

*व्याख्या - एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा ( 6 मार्च, 1982 से 4 जनवरी, 1985 तथा 1 फरवरी, 1985 से 3 नवम्बर, 1985 तक ) - ये लगभग ढाई वर्ष तक हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. के अध्यक्ष रहे तथा भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष भी रहे।*

Scanned with OKEN Scanner

❐ राजस्थान के निम्नलिखित राज्यपालों में से कौन भारत के एयर चीफ मार्शल भी रह चुके हैं? [II Grade (Sanskrit Dept.) -12.2.2023(S-I)]

(1) रघुकूल तिलक (2) ओ.पी. मेहरा
(3) सुखदेव प्रसाद (4) बसंत राव पाटिल

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजभवन, राजस्थान में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल किस राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान प्रारंभ किया गया? [II Grade GK - 21.12.2022]

(1) अंशुमान सिंह (2) प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
(3) कलराज मिश्र (4) कल्याण सिंह

Ans. (3)

❐ गुरुमुख निहाल सिंह को राजस्थान का प्रथम राज्यपाल नियुक्त किया गया था- [R.A.S.- 27.10.2021]

(1) 2 नवम्बर, 1956 को (2) 25 अक्टूबर, 1956 को
(3) 1 नवम्बर, 1956 को (4) 26 अक्टूबर, 1956 को

Ans. (2)*

**व्याख्या** *- RPSC ने उत्तर कुंजी में विकल्प 2 सही बताया है जबकि राजस्थान राजभवन की वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड में गुरुमुख-निहाल सिंह की नियुक्ति की तिथि 1 नवम्बर, 1956 बताई गई है। 13 फरवरी, 1955 से 31 अक्टूबर, 1956 को दिल्ली विधानसभा का अस्तित्व समाप्त होने तक वे दिल्ली मुख्यमंत्री पद पर रहे।*

❐ राजस्थान के निम्नांकित राज्यपालों में से किसने राजस्थान विधानसभा में विशेष अभिभाषण नहीं दिया है? [II Grade GK - 24.12.2022]

(1) मदन लाल खुराना (2) सुखदेव प्रसाद
(3) बसतराव पाटिल (4) निर्मलचंद जैन

Ans. (4)

**व्याख्या** *- निर्मल चंद जैन 14.05.2003 को राजस्थान के 14वें राज्यपाल का पद ग्रहण किया और राजस्थान विधानसभा में विशेष अभिभाषण होने से पूर्व ही इनका राज्यपाल के पद पर रहते हुए 22.09.2003 को जयपुर में आकस्मिक निधन हो गया।*

❐ राजस्थान के निम्नांकित राज्यपालों में से कौन राज्यपाल बनने के पूर्व राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे हैं? [II Grade Teacher -28.10.2018]

(1) सुखदेव प्रसाद (2) रघुकुल तिलक
(3) प्रो. देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय (4) निर्मल चंद्र जैन

Ans. (2)

**व्याख्या** *: 1958-1960 तक राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे रघुकुल तिलक 12-05-1977 से 08-08-1981 तक राजस्थान के राज्यपाल रहे।*

❐ निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं? [II Grade GK - 22.12.2022]

(1) सरदार जोगेन्द्र सिंह
(2) सरदार हुकुम सिंह
(3) फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ
(4) एयर चीफ मार्शल ओ. पी. मेहरा

Ans. (3)

**व्याख्या** *- होरमुजजी फ्रामदी जमशेदजी मानेकशॉ भारत के प्रथम फील्ड मार्शल थे।*

❐ सही सुमेलित नहीं है? [II Grade GK - 21.12.2022]

| राज्यपाल का नाम | | मुख्यमंत्री का नाम |
|---|---|---|
| (1) अंशुमान सिंह | - | वसुन्धरा राजे |
| (2) डॉ. सम्पूर्णानंद | - | मोहन लाल सुखाड़िया |
| (3) ओ.पी. मेहरा | - | शिवचरण माथुर |
| (4) निर्मलचन्द जैन | - | अशोक गहलोत |

Ans. (1)

**व्याख्या** *- न्यायमूर्ति श्री अंशुमान सिंह 16 जनवरी 1999 - 13 मई, 2003 तक राजस्थान के राज्यपाल बने तथा चार बार कार्यवाहक राज्यपाल के रूप में भी पद भार ग्रहण किया। इसके कार्यकाल के दौरान अशोक गहलोत मुख्यमंत्री पद (1 दिसम्बर, 1998 से 8 दिसम्बर, 2003) पर आसीन थे।*

❐ श्री कलराज मिश्र, राजस्थान .... वें राज्यपाल हैं- [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) 41 (2) 44 (3) 39 (4) 40

Ans. (2)

**व्याख्या** *-कलराज मिश्र (9 सितम्बर, 2019 से निरन्तर)- राजस्थान 44वें कलराज मिश्र इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे, जो 30 जुलाई, 2024 को सेवानिवृत हुए।*

*ज्ञातव्य है कि 31 जुलाई, 2024 को हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राजस्थान के नये 45वें राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला। पूर्व में वे 2019 से 2024 तक फुलंब्री (महाराष्ट्र) विधानसभा क्षेत्र के विधायक रहे।*

Scanned with OKEN Scanner